साथी हारे का तू मुझको भी जिताने आजा | by Amit Kalra Meetu

साथी हारे का तू मुझको भी जिताने आजा
तू मेरी लाज को लुटने से बचाने आजा

रिश्तों के खेल में रिश्तों से ही हारे हैं
अपनों के बीच में रहकर भी बेसहारे हैं
कैसे जियूँगा यूँ घुट घुट के तमाशा बन के
कैसे पियूँगा मैं अश्क़ो को कन्हैया हंस के
मैं हूँ तेरा ये ज़माने को बताने आजा
तू मेरी लाज को लुटने से बचाने आजा

मेरी लाचारी पे दुनिया भी सताती है मुझे
ऐसे में बेबसी भी मेरी रुलाती है मुझे
इससे पहले कि ज़माने में हंसी हो मेरी
तेरे ऊपर भी उठे ऊँगली हो बदनामी तेरी
अपनी मैया जी के वचनो को निभाने आजा
तू मेरी लाज को लुटने से बचाने आजा

हारे का साथ देते हो तुम सुना है हमने
हार कि ज़िन्दगी से तुमको चुना है हमने
आखिरी आस बी अस इस दिल में तेरी बाकी है
तेरी रेहमत कि एक नज़र ही प्रभु काफी है
मोहित कि ज़िन्दगी हाथों से सजाने आजा
तू मेरी लाज को लुटने से बचाने आजा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%a5%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%be-by-amit-kalra-meetu/